विभिन्न प्रकार के मीडिया तथा शिक्षण और सीखने मे इसका प्रभाव (Different types of Media & its impact in teaching and learning)

उददेश्य: इस पाठ के अन्त में आप निम्नलिखित कार्य करने योग्य होंगे :

- **निर्देशात्मक मीडिया और सीखने को व्याख्या करे**
- **शिक्षण अधिगम क्रम मे मीडिया एकीकरण का वर्णन**
- **अनुदेशात्मक रणनीति की व्याख्या करे।**
- **शब्दावली का वर्णन करे।**

निर्देशात्मक मीडिया और सीखना (Instructional media and learning)

प्रौद्योगिकी निर्देश को एक जन्मजात प्रक्रिया बनाने, आसान, सीखने, तेजी से और उददेश्य के साथ सीखने के लिए उचित तरीको रणनीतियो और मीडिया को चुनने में मदद करती है और लंबे समय तक याद रखती है। यह सीखने के लिए मीडिया को योजनाबद्ध उपयोग की ओर ले जाता है इस प्रकार शिक्षण-सीखने के तरीकों और मीडिया को निर्देशात्मक प्रक्रिया मे सर्वोच्च प्राथमिकता मिलती है नीचे दी गई जानकारी विभिन्न शिक्षण मीडिया देती है। जो विभिन्न प्रकार के सीखने के अनुभव प्रदान करने मे मदद करती है।

सीखने के लिए मीडिया (Media for Learning)

- पाठय पुस्तक
- सूचनात्मक पुस्तक
- सन्दर्भ पुस्तक
- पत्रिकाएं समाचार पत्र
- दस्तावेज क्लिपिंग
- नकली सामग्री
- कार्यक्रम बद्ध सामग्री
- चलचित्र फिल्म
- टीवी कार्यक्रम
- रेडियो कार्यक्रम
- अभिलेखन (टेप और डिस्क)
- उपयुक्त तस्वीरे
- चित्र और पेंटिंग
- स्लाइड
- पारदर्शिताएँ
- फिल्म स्टिप्स
- माइक्रो फिल्में
- आशुलिपिक
- नक्शे, ग्लोब
- ग्राफिक्स, चार्ट, आरेख
- पोस्टर
- कार्टून
- कठपुतलियाँ
- दिखावटी मॉडल
- संग्रह नमूने
- फलालैन बोर्ड सामग्रियाँ
- चॉकबोर्ड की सामग्रियाँ
- चुम्बकीय बोर्ड की सामग्रियाँ
- निर्माण की सामग्रियाँ
- ड्राइंग की सामग्रियाँ
- प्रदर्शन की सामग्रियाँ
- मल्टीमीडिया किट

सीखने के लिए माध्यम (Media for Learning)

उपरोक्त मे से कितने अनिवार्य रूप से प्रकृति में दृश्य हैं ?

ध्वनि के तत्व मे कितने शामिल है ?

उनमे से कौन सा मुख्य रूप से संयोजन दृश्य तत्त्वों, ध्वनि के साथ दृश्य प्रतिनिधित्व मे संयुक्त है ?

उनमें से कौन से तत्व वास्तविक चीजो से है ? कई निर्देश या प्रशिक्षुओ द्वारा बनाया जाएंगा ।

उपरोक्त चार्ट को सीखने के लिए मीडिया का नाम दिया गया है न कि सीखने की सामग्री या दृश्य, श्रव्य सामग्री के लिए । नामकरण इस बात पर जोर देता है कि ये उद्देश्य प्रक्रिया के अतिरिक्त, गतिशील निर्देश के लिए आवश्यक सामग्री है ।

शिक्षण अधिगम अनुक्रम मे निर्देशात्मक मीडिया एक निर्देशात्मक इनपुट है निर्देशात्मक प्रौद्योगिकी दृष्टिकोण इस बात पर जोर देता है कि शिक्षण अधिगम अनुक्रम के पांच चरणो में विभिन्न प्रयोजनों के लिए विभिन्न प्रकार के मीडिया और सीखने के अनुभव का उपयोग किया जाता है।

वो है

- परिचय
- विकास
- संगठन
- सारांश
- मूल्यांकन

सामान्य सिद्धांतो, जो केवल निम्नलिखित पांच चरणो मे से प्रत्येक में मीडिया के उपयोग पर लागू होते है

- कोई भी माध्यम सभी उददेश्यो के लिए सर्वोतम नही है
- मीडिया का उपयोग उददेश्यो के अनुरूप होना चाहिए
- उपयोगकर्ता को चयनित मीडिया की सामग्री से परिचित होना चाहिए
- मीडिया को निर्देश के मोड से अवगत होना चाहिए
- मीडिया को निर्देश प्रशिक्षु को सीखने की शैली और क्षमताओ के अनुरूप होना चाहिए
- मीडिया न तो अच्छे और न ही बूरे होते हैं क्योंकि वे प्रकृति में ठोस या अमूर्त होते हैं ।
- मीडिया को व्यक्तिगत रूप से प्राथमिकता या पूर्वाग्रह के आधार पर नहीं बल्की निष्पक्ष रूप से चुना जाना चाहिए ।
- भौतिक स्थिति, मीडिया के उपयोग परिवेश को काफी प्रभावित कर सकता है ।

शिक्षण अधिगम क्रम मे मीडिया का एकीकरण (Integration of Media in the Teaching-Learning sequence)

निर्देश और अधिगम के लिए व्यवस्थित, निर्देशात्मक प्रौद्योगिकी दृष्टिकोण के लिए प्रक्रिया, वातावरण में महत्त्वपूर्ण महत्त्व के एक और तत्त्व में शिक्षण-अधिगम अनुक्रम में मीडिया का एकीकरण शामिल है । अब हम शिक्षण-अधिगम अनुक्रम के पांच चरणों की परीक्षण कर और मीडिया के कार्य करेंगे । उपरोक्त पांच चरणों में से प्रत्येक में ।

अधिगम का परिचय चरण (प्रेरक, खोज पूर्ण), सामग्री विशेष रूप से जो प्रश्न उठाती है, रूचि को उत्तेजित करती है, दिल चस्प अवलोकन प्रदान करती है और जो प्रशिक्षु को विषय में उनके वर्तमान ज्ञान या कौशल का प्रदर्शन करने की आज्ञा देती है ।

संगठनात्मक चरण (शोध और अध्ययन के परिणामो की पूलिग)प्रस्तुतिकरण और निष्कर्षो का एकीकरण सारांश चरण के दौरान निष्कर्षों की प्रस्तुतियों को समझने के लिए अंतराल भरने के लिए अध्ययन की एकीकृत समीक्षा प्रदान करने के लिए यहाँ आवश्यक सामग्री जो निम्नुसार है ।

सारांश चरण (इकाई परिमति गतिविधियों की एक श्रृंखला) कभी-कभी अध्ययन के माध्यम से विकसित प्रमुख विचारों, सामान्यीकरण या सिद्धांतों को संक्षेप में प्रस्तुत करने के उद्देश्य से व्यक्तिगत और समूह की प्रस्तुतियों, दृश्य प्रदर्शन, नाटक, चर्चा शामिल होती है ।

मूल्यांकन चरण (परिणामो का मूल्यांकन) नियमितता का संचालन किया गया लेकिन अध्ययन की एक इकाई के समापन पर विशेष रूप से परिशिष्ट प्रशिक्षुओ का परीक्षण सीखने के उत्पादो का विकास अध्ययन मे प्रयुक्त विभिन्न गतिविधियो और दृष्टिकोण के निरतर मूल्य के संबध मे प्रशिक्षुओ की राय, यदि एक समान अध्ययन पर किसी अन्य समूह के साथ किया है तो परिवर्तन और सुधार मे गैर मौखिक सामग्री के उपयोग पर विशेष ध्यान दे ।

सीखने के क्रम के इन पांच चरणो को पाठ नियोजन में अधिक विस्तार से चर्चा की गई है । यह कार्य किया जा सकता है यहां इस बात पर जोर दिया गया है ।

सीखने की प्रक्रिया में एक अलग सहायक के रूप में नही माना जाता है लेकिन शिक्षण मे एकीकृत होने के लिए सीखने के क्रम, शिक्षण रणनीति में शामिल है ।

निर्देशात्मक रणनीतियां (Instructional Strategies)

हमने चर्चा की है कि यह प्रशिक्षण विधियां है हमने इस अध्याय में विभिन्न नियोजन विधियों पर भी चर्चा की । पटरियो और रणनीतियो के साथ योजनाओ के एकीकरण के बिना चर्चा अधूरी होगी आइए हम इन पहलुओ की जांच करे और उन्हे शिक्षा के सिद्धांतो से जोड दे।

कुल मिलाकर निर्देशात्मक कार्यविधियों के कथन मे निर्देश की प्रमेय को अनुसार है जिसमे विशिष्ट प्रकार की परिस्थितियो मे निर्देश किया जाना चाहिए। अध्याय 2 और अध्याय 3 की विधियां प्रदर्शित है आइए अब शिक्षण की प्रक्रियाओ को निर्देशात्मक रणनीतियो का हिस्सा बनाते है।

निर्देश निर्णय का मॉडल (Model of Instruction decision)

रिसेप्शन लर्निग को सूचना प्रसंस्करण भी कहा जाता है यह वह प्रक्रिया है

- जिसके द्वारा संस्थागत एक सामान्य सिद्धांत या नियम से संबंधित उदाहरण के रूप में विशिष्ट उदाहरणों का उपयोग करना ।
- जानकारी का स्वागत और चित्रण के रूप में सामान्य सिद्धांत की
- सामान्य सिद्धांत की समझ । यह सिद्धांतों की पुनःकथन या उदाहरण देने की आवश्यकता वाले परीक्षणों द्वारा परीक्षण किया जा सकता है।
- विशेष रूप से सामान्य सिद्धांत से किसी विशेष अनुप्रयोग का अनुमान लगाने की क्षमता है, यह समझाकर कि कैसे एक सामान्य सिद्धांत एक विशेष उदाहरण या सामान्य सिद्धांत विशेष उदाहरण पर लागू होना है।
- अभिनय संज्ञानात्मक और प्रतीक प्रसंस्करण क्षेत्र मे आगे बढ रहा है।इसमे रिसेप्शन द्वारा प्राप्त जानकारी का उपयोग करना शामिल है। वास्तविक समस्याओ पर लागू करना ।

अनुभव प्रसंस्करण या अनुभावात्मक अधिगम एक रिवर्स अनुक्रम करता है (Experience processing (or experiential learning) follows a reverse sequence)

- किसी विशेष उदाहरण मे अभिनय कर एक कारवाई को अजाम दिया और फिर प्रभाव देखा प्रभावी प्रभावी स्थिति के रूप मे पुरस्कार सजा के रूप मे कार्य कर सकते है या कारण संबध के रूप मे कार्य कर सकते है जो मौजूद है ।
- विशेष मामले को समझना ताकि यदि परिस्थितियों का एक ही सेट फिर से प्रकट हो तो कोई भी प्रभावो का अनुमान लगा सकता है

अनुप्रयोग	कि रोशनी मे	सकंल्प करना
1 दर्शन और शिक्षा के सिद्धांत	• अंतिम उद्देश्य • जनंसख्या लक्ष्य • व्यापक जनसंख्या	निर्देशात्मक रणनीतियां
2 निर्देशात्मक रणनीतियां	• विशिष्ट उददेश्य • कौशल प्रवेश • संसाधन और बधाएँ	निर्देशात्मक योजनाएँ (तरीके, अनुक्रमण)
3 निर्देशात्मक योजनाएं	• सामग्री • कौशल को सक्षम बनाना • कौशल और ज्ञान वर्गीकरण	निर्देशात्मक रणनीति (प्रत्येक पाठ के लिए प्रत्येक चरण)
4 निर्देशात्मक रणनीति	• सीखने सिखाने के लिए उन्हे लागू करने मे व्यवहारिक अभ्यास	विशिष्ट निर्देशात्मक (किसी भी वास्तविक माध्यम मे)

व्यक्ति ने कारवाई के परिणामो को इस प्रकार सीखा है कि किसी विशेष मामले मे उस लक्ष्य मे अपने लक्ष्यो को प्राप्त करने के लिए कैसे कार्य करना है ।

- किसी विशेष उदाहरण से किसी मामले को सामान्य सिद्धांत की समझ के लिए सरल बनाना, जिसके तहत विशेष उदाहरण विफल हो जाता है। सामान्य सिद्धांत से पहले इसे लिखने के लिए प्रतीकात्मक माध्यम में व्यक्त करने की क्षमता आवश्यक नहीं है ।
- एक नई परिस्थिति में अभिनय करना जिस पर सिद्धांत लागू होता है और कारवाई के प्रभावो का अनुमान लगाना है ।

दो रणनीतियो जिसे सीखने की इन प्रक्रियाओ से वे एक वर्णनात्मक रणनीति होगी और निम्नलिखित चरण होगे।

वर्णनात्मक रणनीति (Expository strategy)

- वर्तमान जानकारी यह स्पष्टीकरण प्रतीक या प्रदर्शन के माध्यम से हो सकता है ।
- रिसेप्शन रिकाल और समझ के लिए परीक्षण यदि आवश्यकता हो तो संदेश को दोहराएं या फिर से बनाएं ।
- सामान्य सिद्धातो के उदाहरणो को एक सीमा प्रस्तुत करना, सही आवेदन के लिए परीक्षण, सही प्रदर्शन सुनिश्चित करने के लिए आवश्यकता रूप से उदाहरणो की मात्रा और कठिनाई को संशोधित करें।
- वास्तविक स्थितियो और समस्याओ के लिए नए जानकारी सीखे।

खोज की रणनीति (Discovery strategy)

- कार्य करने के वर्तमान अवसर प्रस्तुत करना और किसी कार्य के परिणाम का निरीक्षण करना ।
- समझने के लिए परीक्षण करना, यह प्रश्नकर्ता द्वारा या केवल शिक्षार्थी की प्रतिक्रियाओ के अवलोकन द्वारा किया जा सकता है यदि यह आवश्यक साबित होता है तो कार्य करने के और अधिक अवसर प्रस्तुत करना ।
- पूछताछ करके या आगे की प्रस्तुत मामलो मे अंर्तनिहित सामान्य सिद्धांत की जानकारी के लिए परीक्षण करना । वर्तमान में आवश्यक के कार्यो को सामान्य सिद्धांत के बिना सीखा गया है।
- वास्तविक स्थिति और समस्याओ के लिए नए जानकारी सीखना ।

विविधताएँ (Variations)

इस प्रकार हमारे पास पूरी तरह से मुक्त खोज से लेकर पूरी तरह से नियंत्रित रूट सीखने तक की खोज वर्णनात्मक रणनीति है ।

शिक्षण प्रौद्योगिकी (Instructional Technology)

अध्याय 3 में कई तरीके पर चर्चा की गई है अधिकांश रणनीति निर्णय परीक्षण और नियंत्रण उप प्रणलियो पर निर्भर करते है यह निर्देशात्मक प्रक्रिया के साथ वार्तलाप करते है मानक के बीच रणनीतिक निर्णय द्वारा उत्पादन को सामान्य रूप से नियंत्रित किया जाता है । संदर्भित और मापदंण्ड मूल्यांकन का संदर्भित माप पर क्या हम प्रशिक्षुओ को एक दूसरे के साथ या टर्मिनल प्रदर्शन की मात्रा या मानक के अनुसार तुलना करते है। महत्वपूर्ण रणनीति निर्णय की चिंता है कि अगर प्रशिक्षु आवश्यक मानक पर खरे नही उतरते है तो हमे क्या करना चाहिए ? क्या हम महारत सीखने की रणनीति या आउटपुट नियंत्रण की व्यक्तिगत विकास रणनीति को अपनाते है यह निर्णय अनुदेश रणनीति का एक विकल्प है निशुल्क खोजपूर्ण सिद्धातो के साथ महारत सीखने की रणनीति काफी असंगत है लेकिन निर्देशक खोज रणनीति के साथ काफी संगत है । नियंत्रण के बारे मे नियंत्रण को किसके के लिए नियंत्रण किया जाएं । शिक्षक, शिक्षार्थी तरीको और प्रणाली या योग संयोजन निर्णय निर्देशात्मक तरीको और मीडिया के साथ बातचीत करता है ।

ब्रूनर स्किनर और ऑसूबेल एक वर्णात्मक दिशार्निदेश के लिए देते है ।

बिना पहले सोचे हुए खोज	पुस्तकालय या संसाधन - केन्द्र की अनियोजित सिखने - शामिल उपयोग
निःशुल्क वर्णनात्मक	शिक्षार्थी निर्धारित लक्ष्य से संसाधन केन्द्र या पुस्तकालय से चूनने के लिए स्वतंत्र है
निर्देशित खोज	उदेश्य तय किए गए उपयुक्त तरीको के लिए निर्देशित शिक्षार्थी का दृष्टिकोण
अनुकुलता से क्रमबद्ध खोज	व्यक्तिगत आधार पर सही ढग से दिए गए मार्गदर्शन और प्रतिक्रिया
आंतरिक रूप से क्रमादेशित खोज	विशिष्ट शिक्षार्थी के आधार पर पहल से तय कार्यक्रम के अनुसार मार्गदर्शन और प्रतिक्रिया क्रमबद्ध सामग्री
आगमनात्मक प्रदर्शन	शिक्षक व्याख्यान को दर्शाते हुए खोज प्रक्रिया के बारे मे बात करते है
निगमनात्मक प्रदर्शन	सार्थक स्वागत सीखने की प्रक्रिया मुख्य रूप से व्याख्यान
प्रशिक्षण और अभ्यास	दोहराव ग्रहण : सिखना निर्देश दर्शाता हे कि क्या करना है और अभ्यास प्रदान करता है काई भी वैचारिक समझ आवश्यक नही है ।

शिक्षा और प्रशिक्षण को शिक्षार्थी के सीखने के कौशल को विकसित करना चाहिए और ऐसा करने केलिए विशिष्ट योजनाबद्ध प्रयास करना चाहिए संज्ञानात्मक कौशल के विकास के लिए विशेष रूप से लक्षित एक निर्देशात्मक प्रणाली विकसित करने मे एक ऐसी सामग्री का चयन, वाहन के रूप मे विशेष रूप से उपयुक्त है लेकिन ज्ञान के रूप मे सीखने वाले के लिए कोई विशेष मूल्य नही है इसलिए यह प्रशिक्षुओ के समुचित विकास के हित में माना जाता है कि खोजपूर्ण और खोज रणनीतियो के संयोजन का उपयोग किया जाता है।

अपनाई जाने वाली रणनीति निर्भर करती है ।

क्या आप प्रदर्शन की जानकारी के साथ काम कर रहे है ।

- क्या, ज्ञान तथ्यात्मक जानकारी, अवधारणाएँ प्रक्रिया या सिद्धांत या संयोजन है ।
- क्या कौशल मूल रूप से एक प्रजनन कौशल या एक जटिल उत्पादक कौशल या इनमे से एक संयोजन है ।
- आपके पास क्या संसाधनहै लक्षित आबदी क्या है और विशेष दबाव क्या है जो प्रशिक्षुओ और पूरे सिस्टम को प्रभावित करता है ।
- प्रतिबंध पर विचार करते हुए ये विरोधाभास विशिष्ट के आपके चयन पर थोपते है और एक विधि या कई विकल्प का चयन करते है जो उल्लिखित विचार के आलोक मे उपयुक्त और व्यवहार्य दोनो है ।

शब्दवालियो (Terminologies)

हमने इस के विभिन्न भागो का उपयोग किया है अनुदेशात्मक के दौरान निर्देश क्या करेगे के विभिन्न पहलुओ का वर्णन करने के लिए निर्देशात्मक प्रणाली, प्रौघोगिकी, उद्देश्य, मीडिया, विधि, रणनीति, अभ्यास ओर प्रक्रिया का उपयोग किया है । अब यह आवश्यक है कि इन शब्दो मे वर्णित अर्थ का पुनरावृति और विवेचन किया जाएं।

निर्देश एक लक्ष्य निर्देशित शिक्षण प्रक्रिया है जो पूर्व नियोजित है पूर्व निर्धारित लक्ष्यो और उदेश्यो को पहचान करना हमेश निरर्थक होता है।

निर्देशात्मक प्रणाली स्टीक लक्ष्यो और उददेश्यो की उपस्थिति और कार्यवाहक पूर्व योजना और परीक्षण से बाहर आने को निर्देशात्मक प्रणाली के मुख्य चरित्र के रूप मे लिया जाएगा ।

निर्देशात्मक प्रणाली (Instructional system) निर्देशात्मक प्रणालीः सहीक लक्ष्यों और उददेश्यों की उपस्थिति और सावधानी पूर्व-योजना और परीक्षण की उपस्थिति को निर्देशात्मक प्रणाली की मुख्य विशेषता के रूप में लिया जाता है । निर्देशात्मक प्रणाली डिजाइन सटिक और उपयोगी उद्देश्यों को स्थापित करने की एक तीन चरण की प्रक्रिया है उसी को प्राप्त करने और उनका परीक्षण करने के लिए योजना बनाना।

निर्देशात्मक प्रौघोगिकी (Instructional Technology) एक शब्द है जिसका उपयोग कई संदर्भो मे कई द्वारा किया गया हे इसका अर्थ यह हो सकता हे कि नवीन वैज्ञानिक सिद्धांतो को शामिल करते हुए किसी भी योजनाबद्ध निर्देशात्मक गतिविधि को यह सिद्धांतो निर्देशात्मक और प्रक्रिया का एक से है जिसका उपयोग निर्देश का विशलेषण करने और गुणवत्ता नियंत्रण प्रदान करने के लिए किया जाता है। यह निर्देश के लिए सिस्टम दृष्टिकोण है यह एक विकास प्रक्रिया है जो निर्देशो को विकसित करने के लिए विभिन्न प्रकार के सिद्धांतो और तकनीको का उपयोग करती है जो कि इसके उददेश्यो को प्राप्त करती है।

अनुदेशात्मक उद्देश्य (Instructional objective) उस व्यवहार के रूप वर्णन है जो निर्देश का उत्पादन करने के लिए है, प्रशिक्षु को क्या करना है इसके बारे मे बताएं (वर्णन, व्याख्या, चर्चा समाधान, हेर फेर करने में सक्षम जिसके तहते आदि) कारवाई की जाती है और जहां उपयुक्त हो सटीकता या गति का एक मानक । वर्णित व्यवहार या इसके परिणाम देखने योग्य ओर मापने योग्य होने चाहिए।

निदेशात्मक मीडिया (Instructional Media) मीडिया संदेश के वाहक से संदेश के प्राप्तकर्ता तक संदेश भेजने वाला हो सकता है शिक्षार्थी हो सकता है शिक्षार्थी हो सकता हे शिक्षण प्रक्रिया में निर्देशात्मक मीडिया प्रत्यक्ष अनुदेशात्मक इनपुट और आवश्यक सामग्री है वे मात्र सामग्री नही है सभी मीडिया सिखते है और शिक्षा का हिस्सा है ।

निर्देशात्मक तरीके (Instructional Methods) यह एक शब्द है जिसका अर्थ है निर्देश देने के उदेश्य से कुछ करने के तरीके निर्देश के कुछ मान्यताप्राप्त तरीके है जैसे कि व्याख्यान के तरीके, पाठ विधि, चर्चा

विधि, शिक्षण के तरीके, प्रदर्शन विधि आदि कोई भी स्थिति और आवश्यकता के आधार पर निर्देश के कई तरीको का अविष्कार कर सकता है यह निर्णय लेने की प्रक्रिया और रचनात्मक का अनुप्रयोग है।

निर्देशात्मक रणनीति (Instructional Strategies) सामान्य दृष्टिकोण और कारवाई की रेखा है एक निर्देशात्मक तरीको को चुनने के लिए अपनाती है।कार्यनीतियो के निर्णय को निर्देशात्मक डिजाइन प्रक्रिया मे काफी पहले लिखा जाता है एक रणनीति जो पाठ में सीखने वाले को सक्रिय भागीदारी की वकालत करती है, व्याख्यान पद्धति का उपयोग कम से कम करेगी जिसमे सीखने वाले सक्रिय तरीके जैसे समूह चर्चा और सेमिनार परियोजना कार्य, ट्यूटोरियल और स्व निर्देशात्मक पैकेज शामिल है। यह विशेष उददेश्य के लिए विधियो का मिश्रण है जिसके परिणाम स्वरूप विभेदित रणनीति होती है जो एक अच्छी अनुदेशात्मक योजना के साथ समाप्त होती है ।

निर्देशात्मक योजना (Instructional plans) उन विधियो का विशिष्ट संयोजन है जो किसी दिए गए पाठयक्रम मे अपनाने का निर्णय लेते है योजना में आवश्यक सामग्री रणनीति और मीडिया के विभिन्न उदेदश्य शामिल है।

निर्देशात्मक रणनीति वे विशिष्ट तरीके है जो किसी विशेष मामले को लागू करने के लिए चुनने है छात्र और प्रशिक्षुओ की शैलियो को जानने के बिना रणनीति अपनाने की कुछ समस्या है विधियां पाठ या व्याख्यान आयोजित करके किसी विशेष पाठयक्रम को करने के लिए छात्र को प्राप्त करने के तरीके है जबकि रणनीति एक पाठ मे निर्देश के विस्तृत चरण है प्रशिक्षक प्रशक्षिण रणनीति के बारे मे अधिक चिंतित है कुछ प्रकार के वर्गीकरण के माध्यम से विस्तृत उददेश्यो के लिए रणनीति का मिलान किया जाना चाहिए । मिलान एक समय स्तर पर होता है और पाठ योजना को गहराई से निर्दिष्ट करना चाहिए कि पाठ के प्रत्येक चरण मे क्या होगा या क्या होना चाहिए अनुदेशात्मक योजना विफल हो जाती है क्योकि प्रशिक्षको ने उद्देश्यों को रणनीति से मेल नही खाते है या वे उददेश्यो को निर्दिष्ट करने और पाठ योजना मे खराब है यह एक कठिन अभ्यास है जिसमे कोई पाठ योजना नही है।

निर्देशात्मक अभ्यास वास्तविक गतिविधियां और घटनांए है जो एक विशेष रणनीतियो एक पाठ को बनाने वाली रणनीति का एक सेट है जो अभ्यास में शामिल किया जाता है इस प्रकार ठोस अवधारणाओ के शिक्षण के लिए सुझाई गई रणनीति काफी अलग अवधारणा को जन्म देगी । उदाहरणो की पसंद उनके अनुक्रमण कितने और कितने ऐसे निर्णय पर है जो अभ्यास डिजाइन स्तर पर किए गए है । विभिन्न प्रकार के उदाहरण प्रस्तुत करना आवश्यक है विश्लेषण और संश्लेषण के स्तर को मापने के लिए वे विभिन्न उदाहरणो के साथ परीक्षण करते है अभ्यास के है जो सीखने वाले के साथ जुड जाता है ।

वह कभी रणनीतिक योजना और सामरिक निर्णयो के प्रति सच्चे नही हो सकता जो वास्तविक बहिष्कार के पीछे है । लेकिन उन सभी पूर्व निर्णयो की सुनिश्चित करने के लिए किया जाता है ताकि शिक्षार्थी वास्तव में अभ्यास से सीख सके । निर्देश निर्भर करती है जो सीखने वाले के पास अंत करण के साथ होती हे । निर्देश की गुणवत्ता शिक्षण तत्वो के वाहन या वाहन विश्लेषण पर निर्भर करती है जिसके बाद कुशल व्यावहरिक तरीको मे उपयुक्त निर्देशात्मक रणनीति का उपयोग होता है।

निर्देशात्मक प्रकिया एक बहुत हो जाटिल है। अनुदेशात्मक परिणाम को अधिकतम करने के लिए, संस्थागत प्रक्रिया को प्रभावी ढंग से डिजाइन किया जाना चाहिए । इस प्रक्रिया के दौरान प्रशिक्षु को विभिन्न योजना रणनीतियो और वातावरण से सीखने की स्थिति का सामना करना पडता है । ताकि निर्देश पूरा होने पर विभिन्न व्यवहारो का प्रदर्शन किया जा सके व्यवहार मे यह परिवर्तन परीक्षण और नियंत्रण द्वारा मापा जाता है। सफल होने के लिए व्यक्ति की निम्नलिखित प्रश्नो के उत्तर देने चाहिए।

- क्या हासिल किया जाना चाहिए? (वाछित आउटपुट या उद्देश्य)
- किसके साथ? (इनपुटस सामग्री शिक्षार्थी संसाधन)
- किस संदर्भ में? (पर्यावरण जलवायु और बाधाओ)
- कब? (घटनाओ का क्रम होना चाहिए)
- किस तरह ? (रणनीतियो विधियो और रणनीति का उपयोग किया जाना चाहिए)
- कौन ? (उपयोग किए जाने वाले संरचना और समूह)
- किसके साथ ? (मीडिया का उपयोग करने के लिए)
- कितना अच्छा? (परीक्षण और नियंत्रण)

हम निम्नलिखित अध्यायो पर विस्तार से चर्चा करेंगे, ज्ञान और कौशल का विश्लेषण, अनुक्रम, मूल्याकंन निर्देश के लिए योजना और भौतिक सुविधाओ और संसाधनो के संगठन और प्रशिक्षण क्षेत्र का प्रबंधन

एक साथी की मात्रा की योजना बनाई गई है जो अनुदेशात्मक मीडिया के कार्य और प्रशिक्षण शिक्षण सामग्री की आवश्यक प्रक्रिया के बारे में विस्तार से बताएगीं।